॥ एकली खड़ी रे मीराबाई एकली खड़ी भजन ॥

Chalisamantras.com

एकली खड़ी रे मीराबाई एकली खड़ी,
मोहन आवो तो सरी,
माधव रा मंदिर में,
मीराबाई एकली खड़ी,
गिरधर आवो तो सरी ।

आप केवो तो सांवरिया में,
मोर मुखट बण जावा जी,
मुखट पेरे सांवरो,
माथा फेर मंडावा जी ।
मोहन आवो तो सरी,
माधव रा मंदिर में,
मीराबाई एकली खड़ी ।

आप केवो तो सांवरिया में,
बाँसुरिया बण जावा जी,
बंसी बजावे सांवरो,
अरे होठा पेर में ल्यावा ।
मोहन आवो तो सरी,
माधव रा मंदिर में,
मीराबाई एकली खड़ी ।

आप केवो तो सांवरिया में,
हिवड़े हार बण जावा जी,
हार तोड़े सांवरो,
अरे ह्रदय में रम जावा ।
मोहन आवो तो सरी,
माधव रा मंदिर में,
मीराबाई एकली खड़ी ।

Chalisamantras.com

आप केवो तो सांवरिया में,
पग पायल बण जावा जी,
पायल पेरे सांवरो,
अरे चरणा में रम जावा ।
मोहन आवो तो सरी,
माधव रा मंदिर में,
मीराबाई एकली खड़ी ।

आप केवो तो सांवरिया में,
जल जमना बण जावा जी,
नावड़ लावे सांवरो,
थारो अंग अंग रम जावा ।
मोहन आवो तो सरी,
माधव रा मंदिर में,
मीराबाई एकली खड़ी ।

मीरा हर की लाड़ली,
दो वचना री साथी ओ,
सांवरिया के आगे आगे,
बांध घूघरा नाची ।

एकली खड़ी रे मीराबाई एकली खड़ी,
मोहन आवो तो सरी,
माधव रा मंदिर में,
मीराबाई एकली खड़ी,
गिरधर आवो तो सरी ।

Chalisamantras.com